अतिवृष्टि के बीच सतना जिले में प्रशासन हाई अलर्ट पर

कलेक्टर चित्रकूट में रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की कर रहे निगरानी

नवभारत न्यूज

सतना 31 अगस्त, जिले में लगातार हो रही वर्षा और अतिवृष्टि को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने पूरे जिले में आपदा प्रबंधन टीम सहित सभी संबंधित अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन द्वारा बाढ़ एवं जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता से संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर स्वयं चित्रकूट में रहकर मंदाकिनी नदी के जलस्तर और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

मंदाकिनी नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी- चित्रकूट में आज प्रात: 6 बजे आरोग्य धाम के पास मंदाकिनी नदी का जलस्तर 137.05 मीटर दर्ज किया गया। नदी का अधिकतम बाढ़ स्तर 139.60 मीटर है। सुबह के समय जलस्तर की प्रवृत्ति बढ़ने वाली दर्ज की गई। प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन दल द्वारा नदी के जलस्तर सहित आसपास के प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वहीं बिरसिंहपुर क्षेत्र में स्थिति सामान्य है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी के आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेते हुए अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली।

प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की विशेष व्यवस्था-बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। चित्रकूट नगर परिषद के टैंकरों से प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल पहुंचाया जा रहा है। नयागांव बाजार चित्रकूट में भी पानी के टैंकर के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की जा रही है कि बाढ़ के बाद पेयजल के लिए केवल साफ स्वच्छ एवं शुद्ध पानी का ही उपयोग करें। प्रभावित क्षेत्रों के हैंडपंपों में क्लोरीनेशन का कार्य किया जा रहा है। विकासखंड सोहावल में हैंडपंपों में जर्मेक्स घोल डालने तथा क्लोरीनेशन की कार्रवाई की जा रही है। चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित लोगों को डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान पेयजल की शुद्धता के लिए क्लोरीन टैबलेट भी वितरित की जा रही हैं। नगर परिषद बिरसिंहपुर में भी नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

भोजन वितरण एवं राहत शिविरों में सहायता जारी- बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए भोजन की व्यवस्था सुचारू रूप से जारी है। जैतवारा के वार्ड क्रमांक 7 के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में भोजन पैकेट का वितरण प्रारंभ किया गया है। ग्राम पंचायत अकौना में प्रभावित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। कोठी राहत शिविर में भी प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। रामपुर बघेलान क्षेत्र के इटौर-मैनपुरा सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी भोजन व्यवस्था की गई है। मैनकहरी राहत शिविर में दवा वितरण की व्यवस्था भी की जा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान- चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित लोगों का डोर-टू-डोर सर्वे कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली जा रही है। आवश्यकता के अनुसार दवा एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पेयजल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं क्लोरीनेशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चित्रकूट क्षेत्र में पशुओं को लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चित्रकूट क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित ग्राम लोसरिया में टीम मझगवां द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक जानकारी जुटाने के लिए घर-घर सर्वे भी किया गया।

जल निकासी और बिजली व्यवस्था बहाल करने का कार्य जारी- जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी के लिए नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सतना नगर निगम के वार्ड क्रमांक 10, बरदाडीह रेलवे फाटक के पास नाली की सफाई कर खाली प्लॉट से पानी निकासी की जा रही है। ग्राम पंचायत बम्हरौला में जलभराव होने पर सरपंच के सहयोग से पानी की निकासी कराई गई। बिजली आपूर्ति प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत विभाग की टीमें बिजली व्यवस्था बहाल करने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। ग्राम भैसवार में जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए जेसीबी मशीन से नाला खुदवाकर पानी की निकासी कराई जा रही है। प्रशासन एवं स्थानीय टीमों द्वारा जलभराव वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने चित्रकूट में पैदल भ्रमण कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रही राहत गतिविधियों की निगरानी की। उन्होंने चित्रकूट के आसपास के प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर नागरिकों की परेशानियां जानीं और भोजन, पेयजल तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। कलेक्टर एवं एसडीएम चित्रकूट नगर परिषद के दूरस्थ मोहल्ले लोसरिहा भी पहुंचे और वहां की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों को प्रभावित नागरिकों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद सफाई कार्य में तेजी

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी उतरने के बाद सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा सिल्ट एवं कीचड़ को हटाने का कार्य लगातार जारी है। मुख्य सड़क, परिक्रमा पथ तथा प्रमोद वन सहित विभिन्न स्थानों पर सफाई दल तैनात किए गए हैं। शिवहरे धर्मशाला के पास ट्रैक्टर की सहायता से मिट्टी हटाने का कार्य किया गया। चित्रकूट की मुख्य सड़क पर जमा सिल्ट और कीचड़ को हटाया जा रहा है। प्रमोद वन में भी स्वच्छता कार्य निरंतर जारी है। जिला पंचायत के सीईओ शैलेंद्र सिंह ने सफाई व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और कार्य में तेजी बनाए रखने के निर्देश दिए।

जन अभियान परिषद द्वारा बाढ प्रभावितों की मदद

नवभारत न्यूज

सतना 31 अगस्त, कोठी क्षेत्र में जन अभियान परिषद के सदस्यों ने अतिवृष्टि से प्रभावित गांवों में पहुंचकर लोगों की मदद की। सेमरवाल नदी के कारण रास्ता अवरुद्ध होने से रुके यात्रियों को दवाई, पानी एवं स्वल्पाहार के पैकेट उपलब्ध कराए गए। बम्हरौला में जलभराव होने पर सरपंच के सहयोग से जल निकासी कराई गई।

कोठी में पांच मकानों में पानी भरने के बाद प्रभावित परिवारों को नगर परिषद के भवन में ठहराने की व्यवस्था की गई तथा नगर परिषद के सहयोग से खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। ग्राम भैंसवार में पहुंचकर आदिवासी परिवारों की सहायता की गई। कंचनपुर में बाबूलाल बारी के गिरते मकान को सुरक्षित करने के लिए तिरपाल उपलब्ध कराकर उसे ढंकने की व्यवस्था की गई। राहत कार्य में समिति के कमलेश पाठक, धर्मेंद्र सोनी, बिपिन उपाध्याय, अंबिकेश पाठक सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया। जिले में लगातार वर्षा एवं अतिवृष्टि को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सतना जिले के आंगनवाड़ी केंद्र दो दिन बंद रखने की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। प्रभावित नागरिकों को भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, दवाएं तथा अन्य आवश्यक सहायता समय पर उपलब्ध कराई जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सफाई, जल निकासी, विद्युत आपूर्ति बहाली, पेयजल शुद्धीकरण, स्वास्थ्य सेवाएं और क्षति सर्वे का कार्य एक साथ संचालित किया जा रहा है। स्थिति सामान्य होने तक संबंधित विभागों की टीमें मैदानी स्तर पर सक्रिय रहेंगी और प्रशासन द्वारा पूरे जिले की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

ग्राम कुल्हाई से निकली संत श्री रविदास समरसता यात्रा

नवभारत न्यूज

मैहर, 31 अगस्त। संत शिरोमणि श्री रविदास जी की 650वीं जन्मजयंती के अवसर पर उनके जीवन-दर्शन, समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

अभियान के तहत प्रदेश, जिला एवं ग्राम स्तर पर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को मैहर जिले के रामनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुल्हाई से संत रविदास समरसता यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल भी शामिल हुए। यात्रा करौंदी, जजनगरा, देउरा, मड़वार, किटहा, हरदुआ, चंदवार, बाबूपुर एवं दुबहिया होते हुए विश्राम आश्रम शाला पहुंची. यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं संत रविदास महाराज के अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभिन्न पड़ावों पर यात्रा का ग्रामीणों एवं अनुयायियों द्वारा उत्साह और श्रद्धा के साथ स्वागत किया गया।

निर्माण श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने विशेष शिविर 2 तक

सतना 31 अगस्त, संनिर्माण कर्मकार मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को बेहतर एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना द्वारा बताया गया कि नगर पालिक निगम सतना क्षेत्र अंतर्गत 2 सितंबर 2026 तक संजीवनी हॉस्पिटल महदेवा, सतना में विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा।

नवभारत सतना संस्करण के सफलतम 27 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं